**<topic> politics </topic>**

**<about> 24th June 2017, Patna http://www.esamaad.com/category/regular/ </about>**

**<head> मीरा नहि राहुल कए खारिज केलथि नीतीश </head>**

**<body>**

पटना । नीतीश कुमार देशक किछु एहन नेता मे स छथि जिनकर लक्ष्य बुझब बड कठिन अछि। नीतीशक तात्कालिक फैसला हुनकर दीर्घकालीन सोच क एकटा रणनीति होइत अछि। राष्ट्रपति चुनाव मे सेहो हुनकर राजनीतिक फैसला रणनीतिक हिस्सा थीक।

एहि गप क संकेत नीतीश तखन देलथि जखन राष्ट्रपति चुनाव मे बिहारक बेटी मीरा कुमार क विरोध क चौतरफा आलोचना पर सफाई देबा लेल ओ मीडिया क समक्ष एलाह।

लालू प्रसाद यादव क इफ्तार पार्टी मे पहुंचल नीतीश कहला जे विपक्ष दीर्घकालीन नहि बल्कि तात्कालिक फैसला केलक अछि, जाहि मे जीतक रणनीति नहि अछि। नीतीश क संदेश साफ अछि। नीतीश अगामी लोकसभा चुनाव लेल उम्मीदवार क फैसला चाहैत छथि। नीतीश जनैत छथि जे असली लड़ाई 2019 मे अछि। नरेंद्र मोदी क  सामने ढार हेबा लेल विपक्ष कए बैसबाक चाही, मुदा विपक्ष बैसल राष्ट्रपतिक उम्मीदवार लेल। राष्ट्रपतिक उम्मीदवारी सत्ता पक्षक जीत कए सुनिश्चित करैत अछि, एहन मे महज हारबा लेल विरोध मनोबल कए आओर खसाउत।

नीतीश क राजनीति शुरु स रहल जे जीत अगर सुनिश्चित नहि अछि त हारि  सुनिश्चित नहि हो। हिंदी जमीन पर मोदी स विधानसभा मे जीतल नीतीश एकमात्र नेता छथि। नीतीश बाकी सब मामला मे अपना कए या त मोदीक बगल मे रखलथि या नेपथ्य मे। पंजाब आ यूपी चुनाव मे नीतीश अपना कए जीत हार स दूर रखलाह। नीतीश एहन कोनो समूह मे अपना कए शामिल नहि करताह जे मोदी स हारि जाये।

नीतीश ताहि लेल अपन बयान मे जोर द कए कहला जे रणनीतिक शुरुआत अगर हार स होएत त जीत कोना होएत। मोदी क राजनीति आक्रामक प्रचार क अछि, एकटा हार कए हुनकर प्रचारक सबस पैघ आ सतत जीत मे बदलि लोक क मन मानस पर स्थापित क देत। नीतीश एहि गप स विपक्ष कए आगाह करैत छथि जे मुख्य लड़ाई स पूर्व अगर एहि प्रकारक हार होएत त जनता मे इ धारना स्थापित क देल जाएत जे इ सब एकजुट भेलाक बावजूद मोदी कए नहि हरा पौलथि। आजुक नहि बल्कि सबदिन राजनीति मे धारना यानी परसेप्सन क बहुत महत्व रहलैक अछि, एहन मे जनताक बीच इ संदेश नहि जेबाक चाहैत चाही।

नीतीश क रोष कांग्रेस पर देखार भेल ओकर मूल कारण सेहो बुझबाक जरुरत अछि। नीतीश कोनो हालत मे राहुल क नेतृत्व मे लोकसभा चुनाव नहि लड़ताह। राहुल क राजनीतिक परसेप्सन मोदी स बेर बेर हारक राजनीतिज्ञक बनि चुकल अछि। कांग्रेस विपक्षी एकता कए राहुलक सूत्र मे बांधबाक जिद क रहल अछि। बिहार क बेटी मीरा कुमार कए उम्मीदवार बना नीतीश कए साधबाक कोशिश कांग्रेस केलक, मुदा नीतीश साफ शब्द मे मीरा कए 2022 लेल उम्मीदवार बनेबाक मांग क लोकसभा लेल रणनीति साफ करबाक चर्च क देलथि। नीतीशक संकेत नेतृत्व स अछि। नीतीश कोनो हाल मे मोदी स हारबा लेल विपक्षी समूह मे शामिल नहि हेताह। नीतीश अपन बाट बना चुकल छथि, मोदीक संग या मोदी क बाद…नीतीश दोसर कोनो फार्मूला पर चिंतन मंथन करबा लेल तैयार नहि छथि। मीरा कुमार क विरोध तात्कालिक विरोध जरुर अछि, मुदा दीर्घकालीन विरोध राहुलक नेतृत्व मे मोदी क खिलाफ मैदान मे उतरबाक अछि, जेकर नीतीश आइ स्पष्ट, धारदार और सख्त लहजा मे उल्लेख क देलथि अछि।

**</body>**

**<topic> politics </topic>**

**<about> 19th July 2017, Delhi http://www.maithilijindabaad.com/ </about>**

# <head> मिथिला राज्यक मांग लेल जन्तर-मन्तर पर धरना: बुद्धिजीवी आ कानूनविद् लोकनिक नीक सहभागिता </head>

**<body>**

अखिल भारतीय मिथिला राज्य संघर्ष समितिक राष्ट्रीय प्रवक्ता शिशिर कुमार झा सोशल मीडिया मार्फत जनतब दैत कहलैन अछि जे १७ जुलाई २०१७ जंतर-मंतर पर भेल धरना मे भोर सँ १ बजे दिन तक इन्द्रदेवक कृपा सँ धरना बहुत प्रभावित भेलाक बादो धरना देनिहार आन्दोलनी लोकनि भिजैतो मंच पर डटल रहिकय एकरा सफल बनौलनि।

मिथिला राज्य लेल प्राइवेट पार्टी बिल राखय सँ लैत मीडिया मार्फत एकर आवश्यकता पर बल देनिहार दरभंगा सँ ३-३ बेर सांसद रहल माननीय कीर्ती आजाद आर झंझारपुर संसदीय क्षेत्र सँ सांसद विरेन्द्र चौधरी केर धरना मे सहभागिताक सहमति रहितो वर्षा द्वारे नहिं भाग लेलनि।

भूतपूर्व सांसद महाबल मिश्रा एहि धरना मे सहभागी भेलाह आर मिथिला राज्य आंदोलन केँ तीव्र करबाक बात रखलनि। ओ कहलनि जे पहिने हम मैथिल छी, बाद मे कांग्रेसी। २ टा नवनिर्वाचित दिल्ली नगर निगम पार्षद श्याम मिश्रा आ सुजीत ठाकुर राज्य आंदोलन मे सब तरह सँ सहयोग देबाक आश्वासन देलैन। भाजपा नेता मृत्युंजय झा, अखिल भारतीय मिथिला संघ केर महासचिव विद्यानंद ठाकुर, भारतीय मैथिल ब्राम्हण सभा केर राष्ट्रीय अध्यक्ष सचिन शर्मा, मुंबइ सँ विनीत झा, व्रजस्थ मैथिल विजय शर्मा, एसके मिश्रा मिथिला राज्य आंदोलन मे अहम भूमिका लेल प्रतिबद्धता केर बात केलैन। ई जनतब प्रवक्ता झा द्वारा करायल गेल अछि।

धरना मे अमरनाथ झा, संजीव सिन्हा, रामबाबू सिंह मधेपुर, संतोष राठौर, मिहिर कुमार झा आ तपन कुमार झा सहित पत्रकार संतोष झा, गीतकार-संगीतकार-कलाकार साजन झा, विमलजी मिश्र, सुनील पवन, सागर झा, मैथिल मंच केर मणिभूषण राजू, अरूण कुमार मिश्रा, युवानेत्री चंदा झा, मदन झा, धीरज मैथिल सहित दर्जनों मंच सँ आबद्ध विभिन्न कार्यकर्ता लोकनि आ नोएडा सँ दिवाकांत झा, मदन कु० झा, जीतेन्द्र पाठक, अनिल कुमार झा सहित १०-१५ मिथिला अभियानी, युवा अभियानी हीरालाल प्रधान, भगवंत झा बबलू, मोहन राज झा, बैजू बाबरा, पत्रकार मिहिर झा, गिरीधारी झा आदि धरना अवधि धरि जन्तर-मन्तर पर डँटल रहला।

आजुक धरनाक एकटा खास बात ईहो रहल जे बुद्धिजीवी समाज सँ एडवोकेट राजेश कुमार झा, कमलेश कुमार मिश्रा सहित आधा दर्जन नामी-गिरामी वकील सब सेहो भाग लैत अपन मौलिक पहिचान केँ भारतक संविधान मे स्थापित करेबाक लेल राज्यक मांग केँ समर्थन कएलनि। डा० के के मिश्रा आ राहुल मिश्रा सेहो अपन उदगार रखलनि ।

सभाक अध्यक्षता बिहार सरकारक भूतपूर्व मंत्री आ उच्चतम न्यायालय केर वरिष्ठ वकील डा० शमायले नवी केलैन। मंचक संचालन संघर्ष समितिक राष्ट्रीय प्रवक्ता ई० शिशिर कुमार झा केलैन। राष्ट्रीय अध्यक्ष डा० बैद्यनाथ चौधरी “बैजू” आ प्रो० अमरेन्द्र कुमार झा अपन अनुभव आ क्रांतिकारी उदगार सँ मैथिल अभियानी के उद्वेलित करैत रहलाह। संघर्ष समिति केर डा० प्रसन्न मोहन झा द्वारा राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री आ गृहमंत्री केर ध्यानाकर्षण मे ज्ञापन पत्र सौंपल गेल। संघर्ष समिति सँ आओर पदाधिकारी फौजी बी के झा, डा० शिवनारायण पासवान, मो० इदरीश, दिवाकर झा, परमानन्द यादव, एडवोकेट प्रदीप कुमार झा, उमेश यादव, काशीनाथ चौधरी, दिनेश मंडल, प्रीतेश रंजन सिंह, सरोज कुमार दास, रंजीत सिंह आ डा० अरविन्द कुमार दास उपस्थित छलाह।

मैथिल अभियानी स्व० आनंद झा केर परिवारक मदद लेल संघर्ष समितिक फौजी बी के झा नकद ११०० ₹ देलैन जे मणिभूषण राजूक मार्फत पीडित परिवार धरि पहुँचेबाक भार प्रवक्ता झा देलनि। सौहार्द्रपूर्ण आ भविष्य लेल नीक उर्जाक शुभकामना संगें सभ मिथिला-मैथिली धरनार्थी केँ जंतर-मंतर पर धरना पर अयबा लेल आ एहि आंदोलन संगें सहानुभूति रखनिहार सभ गोटे के बहुत -बहुत धन्यवाद दैत प्रवक्ता झा जय मिथिला जय मैथिली जय मैथिल केर अभिवादन संग पुन: नव कार्ययोजना सँ सब केँ अवगत करबैत आन्दोलनक स्वरूप केँ बदलबाक भरोसा देलैन। train1

**</body>**

**<topic> politics </topic>**

**<about> 15th July 2017, Delhi http://www.maithilijindabaad.com/ </about>**

# <head>विराटनगर मे भाजपा प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन, भव्य स्वागत, मिथिलाक पाग सेहो सम्मान मे </head>

**<body>**

**अनौपचारिक भ्रमण पर नेपाल एला शाहनवाज हुसैन**

वृहस्पति दिन साँझ मे भारतीय जनता पार्टीक चर्चित नेता तथा राष्ट्रीय प्रवक्ताक संग पूर्व मे कतेको रास महत्वपूर्ण मंत्रालय केर सफल केन्द्रीय मंत्री सैय्यद शाहनवाज हुसैन विराटनगर (नेपाल) केर दौरा पर नितान्त व्यक्तिगत कारण सँ आयल छलाह। सीमाक्षेत्र मे पैदल चलिकय भारत सँ नेपाल प्रवेश कएलनि आर स्वागत मे हजारों आम जनमानस केँ हाथ हिलाकय अभिवादन करैत अपना केँ कोनो विदेश नहि बल्कि अपनहि स्वदेश मे एबा जेकाँ अनुभव होयबाक बात कहलनि। मोरंग ब्यापार संघ केर वरिष्ठ पदाधिकारी लोकनि हुनका स्वागत करबाक लेल ओतय पहुँचल छलाह। तहिना नेपालक जुट व्यापारी लोकनि सेहो ओहि ठाम दिग्गज नेतृत्वकर्ता सँ भारत द्वारा उचित सहयोगक अपेक्षा सँ ओहिठाम पहुँचल छलाह। फूल-माला आ फूलक गुलदस्ता भेंट करैत शाहनवाजजी केर स्वागत नेपाल भूमि पर कएल गेल छल। किछु दूर धरि पैदल चललाक बाद ओ पुनः गाड़ी मे बैसिकय विराटनगर केर होटल हैरिसन पहुँचल छलाह। हुनका संगे किशनगंज केर हुनकहि पूर्व सांसद प्रतिनिधि हरि अग्रवाल एवम् दिल्ली सँ राजीव राणा तथा सुनील झा सहित भागलपुर, सुपौल व अररिया सहित अन्य-अन्य स्थान सँ अनेको गणमान्य व्यक्ति लोकनि सेहो नेपाल एलाह। संग मे भाजपा जिला संयोजक भानु प्रकाश राय व नरपतगंज विधानसभाक पूर्व विधायिका देवन्ती यादव सेहो रहथिन।

**विराटनगर केर व्यापारी समाज द्वारा कएल गेलनि भव्य स्वागत**

काल्हि शुक्र दिन मोरंग ब्यापार संघ मे आयोजित एक भव्य स्वागत समारोह मे शाहनवाजजी केँ ‘टोकन अफ लव’ केर रूप मे नेपालक प्रसिद्ध पशुपतिनाथ मन्दिरक आकृतिक उपहार मोरंग ब्यापार संघ केर अध्यक्ष एवं नेपालक ब्यवस्थापिका संसद केर सांसद पवन शारडा हस्तान्तरित कएलनि। ताहि सँ पूर्व फूल-माला आ नेपाली खादा आदि प्रदान करैत भारतक पहिल सबसँ युवा मन्त्री शाहनवाज हुसैन केँ स्वागत कएल गेल छल। एहि समारोह मे विराटनगर औद्योगिक नगरीक लगभग सब नामी-गिरामी ब्यापारी व अन्य प्रतिष्ठित समाजक अग्रणी लोकनि सेहो भाग लेने छलाह।

**विराटनगर मे अपनेक हार्दिक स्वागत एवम् अभिनन्दन! – मिथिला समाज**

भाजपा प्रवक्ता एवम् पूर्व केन्द्रीय मंत्री सैय्यद शाहनवाज हुसैन जी केर स्वागत एवं अभिनन्दन समारोह मोरंग ब्यापार संघ मे आयोजित कएल गेल। एहि मे संघक अध्यक्ष हुनकर ध्यानाकर्षण करबैत विराटनगर व नेपाल केर ब्यापारिक अवरोध, जन-समस्या आ द्विपक्षीय सम्बन्ध मे उत्तरोत्तर प्रगति सँ जुड़ल विभिन्न सरोकारक मांग रखलैन। तेकर जबाब मे प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन सेहो समुचित भरोसा दैत अपन नेतृत्व प्रदान करबाक प्रतिबद्धता प्रकट कएलनि। बहुत रोचक अन्दाज मे सभा केँ संबोधित करैत ओ कहलनि जे सिर्फ सुपौल जिला सँ गलगलिया किशनगंज धरिक क्षेत्रक हम सेवक नहि रहि अहाँ सब नेपालक वासिन्दाक सेहो समस्याक निदान लेल काज करब से वचन दैत छी।

**मिथिलाक पाग सँ सेहो कएल गेलनि सम्मान**

सभा मे मौजूद विराटनगर केर लगभग सब सम्भ्रान्त ब्यवसायी-उद्योगपतिक संग समाजसेवी एवम् संचारकर्मीक बीच मिथिला समाजक लोक केर सेहो पाग स्वीकार करैत मैथिली भाषा केर संवर्धन-प्रवर्धन हेतु ओ अपन योगदान देबाक वचन देलनि। संचारकर्मी एवम् मिथिला विकास परिषद् केर संयोजक वरुण मिश्र हुनका पाग आ माला पहिरा सम्मानित कएलाह। एहि अवसर पर मैथिली जिन्दाबादक प्रतिनिधित्व करैत मिथिला समाजक लेल आ मोरंग ब्यापार संघ केर विदेश मामिलाक परामर्शदाताक रूप मे प्रवीण नारायण चौधरी सेहो भाग लेलनि।

मैथिली आन्दोलन मे आपसी सहकार्य सँ भाषा-साहित्य आ संस्कृतिक संरक्षण, संवर्धन आ प्रवर्धन होयबाक बात सुनिश्चित अछि। विराटनगर केर लोकमानस मे भाजपा नेता शाहनवाज केर आगमन सँ काफी उत्साह आर हर्षक माहौल देखा रहल अछि, तहिना नेताक असल कार्य ओ स्वयं सेहो कएलनि।

**सभा केँ संबोधन करबाक अन्दाज रहल निराला**

मोरंग ब्यापार संघ केर अध्यक्ष पवन शारडाजी केर तरफ सँ एकटा मांगपत्र मे दुनू देशक ऐतिहासिक प्रगाढ सम्बन्ध केँ आरो सशक्त बनेबाक आह्वान कएल गेल छल। नेपाल मे लगानी हेतु शाहनवाजजी समान दिग्गज नेतृत्वकर्ता सँ उचित ध्यान दैत आगाँ भविष्य मे उचित योगदान लेल अनुरोध सेहो रहय ओहि मांग पत्र मे। तहिना नेपाली नागरिक केर हित लेल नेपाल-भारत बीच भेल ऐतिहासिक १९५० केर संधि पर पुनरावलोकन हेतु ध्यानाकर्षणक संग जोगबनी रेलवे स्टेशन केँ अन्तर्राष्ट्रीय मापदंडक स्टेशन बनेबा लेल आर जोगबनी केँ दक्षिण भारत, राजस्थान इत्यादि सँ जोड़यवला सीधा ट्रेन प्रदान करबाक लेल रेलवे मंत्रालय धरि सिफारिश पहुँचेबाक आग्रह कएल गेल। संगहि जोगबनी-कोलकाता एक्सप्रेस नित्य चलेबाक संग-संग वर्तमान समय-सारिणी मे सेहो यात्रीक सुविधा देखैत उचित परिवर्तनक मांग कएल गेल। सीमांचल एक्सप्रेस केर चलबाक समय केर कोनो सीमा नहि रहि जेबाक बात पर सेहो ध्यानाकर्षण करबैत रेल मंत्रालय द्वारा एहि दिशा मे उचित सहयोगक अपेक्षा राखल गेल।

एहि सब मांग पर काज करबाक भरोसा दैत शाहनवाजजी बहुत निराला अन्दाज मे सभा केँ संबोधित कएलनि। एक प्रवक्ताक कार्य थिक जे कोनो विषय-वस्तु पर अपन पार्टी आ सिद्धान्तक पक्ष रखैत सब बात पर राय राखय, ताहि लेल विराटनगर केर व्यापारी समाज सँ अन्तर्क्रिया मे ओ सुपौल सँ लय गलगलिये धरि नहि बल्कि विराटनगर आ नेपाल केर एहि क्षेत्रक समस्या पर भारत सरकार सँ उचित सहयोगक वातावरण बनेबाक लेल काज करबाक आश्वासन देलनि। विराटनगर एबाक बहुत इच्छा रहितो एहि ठामक लोक मार्फत सहभागिताक आमंत्रण अत्यल्प भेटबाक बात पर शिकायत सेहो रखैत बहुत सरल भाव सँ अपन यात्र ३६ वर्ष बाद होयबाक बात सँ अपनो मे असन्तोष रहबाक बात ओ कहलनि। आगाँ सँ अहाँ सब जरुर बजायल करू, आर हमहुँ एतय अबैत रही – यैह मनोभाव ओ रखलनि।

नेपाल मे पर्यटन सँ दू देशक बीच आर्थिक कारोबार मे समानता आयत, एतय पैघ-पैघ विवाह भवन बनला सँ पूँजीपति लोकनि थाईलैन्ड नहि जाय एतय आबिकय विवाहादिक आयोजन पूरा करता। नेपाल-भारत बीच असन्तुलित आर्थिक व्यवहार केर प्रश्न पर शाहनवाजजी अपन विचार रखलैन। जोगबनी स्टेशन नेपालक लोक वास्ते ‘गेटवे अफ इंडिया’ होयबाक कारण ओतुका स्टेशन केँ अन्तर्राष्ट्रीय स्तरक बनेबाक लेल ओ सब प्रयास करता आर एहि बीच मे मोरंग ब्यापार संघ केँ सेहो अवगत करबैत रहता, ओ भरोसा देलनि। दुनू देशक बीच केर सम्बन्ध आर आन कोनो ठाम नहि भेटत ताहि तरहक सहोदर भाइ-भाइ केर सम्बन्ध अछि, ई खूनक सम्बन्ध अछि, एकरा कियो नहि तोड़ि सकैत अछि। तखन किछु लोक एकर विरुद्ध सेहो काज कय रहल अछि तेकरा सँ सावधानी बरतबाक जरुरत पर ओ बल देलनि। अपन बजबाक विशिष्ट शैली आ चुटकी लैत सब केँ हँसबैत रहबाक अन्दाज सचमुच लोक केँ खूब पसीन पड़लैक। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदीक नेतृत्व मे सम्बन्ध आरो प्रगाढ होयबाक वचन दैत ओ कहलनि जे हुनकर कार्यकालहि मे सब कमी-कमजोरी दूर होयत से विश्वस्त रहू।

विकास केर कार्यक व्योरा दैत शाहनवाजजी अपन गृह-जिला सुपौल सँ लैत कर्मभूमि किशनगंज आ भागलपुर तक केर लोकक प्रतिनिधित्व मे कतहु कमी नहि आबय देबाक बात कहलनि। संगहि ओ नेपालक पूर्वी क्षेत्रक लोक केँ सेहो अपनहि क्षेत्रक लोक बुझि आगाँ हिनको लोकनिक प्रतिनिधित्व भारतक केन्द्र स्तर सँ करबाक विश्वास दियौलनि।

**जुम्माक नमाज पढबाक लेल गेला विराटनगर केर गुदड़ी बाजार स्थित मस्जिद मे**

सभा सँ पूर्वहि समय मांगि नमाज पढबाक लेल १ बजे सँ ५ मिनट पूर्व जेबाक अनुमति लय लेने छलाह। सभाक अन्त मे स्थानीय व्यापारी-उद्योगपति-समाजसेवी हसन अंसारीक नेतृत्व मे शाहनवाजजी जुम्माक नमाज अदा करबाक लेल गुदड़ी बाजार स्थित जामा मस्जिद मे गेलाह। ओतय मुस्लिम समाजक वरिष्ठ लोकनि संग गला मिलिकय शुभकामना आदान-प्रदान कएलनि।

एहि सँ पूर्व विराटनगर केर मेयर, उपमेयर आदि सहित व्यापारी व इष्ट-मित्र सब संग एक विशिष्ट अतिथिक रूप मे विभिन्न स्थान पर स्वागत-अभिनन्दन होएत रहल छलन्हि। निश्चिते शाहनवाजजी केर एहि यात्रा सँ विराटनगर केर जनमानस मे एकटा विशेष उत्साह जागल जे दुइ देशक बीच सम्बन्ध केँ आरो मजबूती देत।

**</body>**

**<topic> politics </topic>**

**<about> 30th July 2017, Delhi http://www.maithilijindabaad.com/ </about>**

# <head> गोरखालैन्ड केर मांग आ औचित्य, मिथिलाक जनमानस लेल अनुकरणीय

# </head>

**<body>**

अपन संस्कृति आ भाषा कतेक प्यारा होय छै से दार्जिलिंग के रहनिहार गोरखा जे नेपाली भाषी छथि, हुनका से मैथिल सब के सीख लेनाय परम आवश्यक अछि। दार्जिलिंग जे पश्चिम बंगालक एकटा बहुत ही छोटा हिस्सा छैक आर जे अपन प्राकृतिक सौंदर्यता के कारण देश विदेशक पर्यटक के आकर्षणक केंद्र अछि से आय काल्हि आन्दोलनक हिंसा सँ जरि रहल य। राज्य सरकार द्वारा आंदोलन करय वाला नेताक घर पर छापा पैड़ रहल छै। ई हिंसा में बहुत रास लोकक जान जा चुकल अछि। ई हालातक कारण हम सब इतिहास से एखन धरि के  विश्लेषण क के समझय के कोशिश क रहल छी। देश में बहुत बेर भाषाक आधार पर राज्यक विभाजन भेल छल। 1960 से एकर सुरुआत भेल जखन मराठी बाजे बला के महारष्ट्र आ गुजराती बाजे बला क्षेत्र के गुजरात बनाओल गेल। एकर बाद हरियाणा, झारखंड, छत्तीसगढ़, आ तेलंगाना सहित बहुत रास राज्य बनाओल गेल। किछु के आधार भाषा त किछ के आधार आर्थिक पिछड़ापन छल। ओतहि दार्जिलिंग के सिक्किम में विलय केर मांग या एक अलग राज्यक यथा गोरखालैंड केर माँग पुरान अछि।

इतिहास केर अध्ययन करय सँ पता चलय अछि की दार्जिलिंग पर्वतीय क्षेत्र सिक्कीमक हिस्सा रहल छल। 1841 ईस्वी तक दार्जिलिंग सिक्किम केँ लगान दैत रहल छल। बाद में अंग्रेज दार्जिलिंग केँ सिक्किम सँ अलग कय केँ बंगालक हिस्सा बना देलक। तखने सऽ दार्जिलिंग पश्चिम बंगालक हिस्सा अछि।

भारत में राज्यक गठन छेत्रक संस्कृति खास क के भाषाई सांस्कृतिक आधार पर होयत रहल छल मुदा दार्जिलिंग केँ पश्चिम बंगाल के साथ मिलाकय ओकर गोरखाली संस्कृति केँ पश्चिम बंगाल केर साथ मिलाकय खत्म कयल जा रहल अछि । ई अहिना अछि जेना हमर मिथिला  क्षेत्र केँ अन्य भाषाई क्षेत्रक संग मिलाकय मिथिलाक संस्कृति आ मैथिली भाषा केँ खत्म कयल जा रहल अछि।

पश्चिम बंगाल केर मुख्यमंत्री द्वारा हाल में 10वीं तक केर शिक्षा बंगला में अनिवार्य करि देनाइ वर्तमान हिंसा भड़कबाक आ एक बेर फेर सँ गोरखालैन्ड अलग राज्यक मुद्दा प्रकाश मे एबाक सबसँ पैघ उदहारण  अछि।

1865 ईस्वी मे जखन अंग्रेज दार्जिलिंग में चाय केर बागान शुरू केलक त बहुत रास मजदुर एतय काम करय लेल आयल छल। बगल मे नेपाल आ पहाड़क शृंखला रहबाक कारण गोरखाली मूलक नेपालीभाषी लोक एतय बेसी रहय लागल। आजादीक बाद भारत और नेपाल में शांति आर दोस्तीक खातीर 1950 केर समझौता कयल गेल। सुगौली संधिक परिणाम अनुसार लगभग १८६० मे नेपाल-भारतक सीमा विभाजन भेलाक बाद ई हिस्सा भारत में आबि गेल। आजादीक बादहि सँ एतुका गोरखाली मूलक लोक सब अलग राज्यक मांग लगातार करैत आबैत रहल अछि। बंगाली आ गोरखक संस्कृति एक दोसर सँ अलग हेबाक कारण ई आंदोलन केँ बल भेटल।

गोरखालैंड माँगक सुरुआत सबसँ पहिने गोरखा लिब्रेशन फ्रंट केर सुभाष घीसिंग केने रहथि। पहिल बेर 1980 में घीसिंग गोरखालैंड नाम देलखिन। एकर बाद काफी हिंसा हेबाक कारण सँ पश्चिम बंगाल केर तत्कालीन राज्य सरकार गोरखा हिल कौंसिल बनेबाक लेल राजी भेल छल । घीसिंग केर लीडरशिप में अगला 20 साल तक ओतय शांति बनल रहल लेकिन विमल गुरुंग केर उभरलाक बाद हालत बदतर भ गेल । गोरखा लिब्रेशन फ्रंट से अलग भ विमल गुरुंग गोरखालैंड के मांग फेर सँ तेज भ गेल।

जाहि हिस्सा लय केँ गोरखालैंड बनेबाक मांग कयल जा रहल अछि ओकर कुल एरिया 6246 वर्ग km अछि। ओतय के लोग गोरखा नेपाली भाषा बाजय छै। आंदोलनकारी चाहैत अछि जे केंद्र सरकार गोरखालैंड बना कय ओकरा सभ केँ अपन संस्कृति केँ सुरक्षित करय के मौका देथि। मुदा राजनीति मे सक्रिय पक्ष गोरखालैंड केँ नेपालक साथ जाय के डर सँ अलग राज्य बनेबा सँ कतराएत प्रतीत होएत अछि।

मुदा एकटा सवाल ईहो अछि जे जतय के लोक भारतीय सीमा पर अपन शौर्य लेल जानल जाएत अछि ओय क्षेत्रक लोक पर अपन देशक साथ छोड़य के शंका करनाय उचित अछि की? की हुनका सभ केँ अपन संस्कृतिक संरक्षण करबाक अधिकार नय अछि? नव भाषा सीखनाय कतहु सँ गलत नहि अछि, मुदा कोनो भाषा केँ जबरदस्ती थोपबाक बात पूर्णरूपेण गलत अछि। किछु लोक एहि आन्दोलनक तूलना कश्मीर सँ करैत आछि मुदा हमरा अनुसारे दुहुक तुलना नहि कयल जा सकैत अछि, कियाक तऽ कश्मीर घाटीक आंदोलन करयबला सब धर्मान्धता सँ ग्रसित भऽ कय पाकिस्तानक झंडा लहरबैत अछि; मुदा गोरखालैंड केर मांग केनिहार भारतक राष्ट्रीय ध्वज लय केँ सड़क पर निकलल अछि। ओ बस एतबहि चाहैथ  अछि जे केंद्र सरकारक कनिक सहयोग सँ ओकर संस्कृति बचि जाय आ ओकर मूल अस्तित्व बचल रहैक।

2011 में गोरखालैंड एडमिनिस्ट्रेटिव कौन्सिलक समझौता केंद्र , राज्य आ जीजेएम के बीच भेल छल जाहि में बहुत रास बिभाग एहि कौंसिल केँ देबाक बात भेल छल, जेना शिक्षा आ संस्कृति सहित विकास लेल जरुरी बिभाग – मुदा ईहो एकटा कागजी समझौता बनि कय रहि गेल अछि। जकर परिणामस्वरूप आ बंगाली थोपबाक कारण ई हिंसाक दौर सुरु भेल अछि। जीटीए द्वारा बजायल गेल बंदक दौरान हिंसाक कड़ाई सँ कुचलल गेल आ ई बात सेहो सही अछि की लोकतंत्र में हिंसाक कुनु जगह नहि मुदा कियो अपन संस्कृति केँ बचेबाक लेल अलग प्रदेशक माँग करैत बंदक आह्वान करय छै आ आम जनता ओकर साथ दय छै त प्रदेश सरकार गोली कियाक चलौतैक?

**</body>**

**<topic> politics </topic>**

**<about> 19th may 2017, Delhi http://www.maithilijindabaad.com/ </about>**

# <head> दिल्ली नगर निगम पार्षद् मे उल्लेख्य मैथिल केर जीत, शपथग्रहण मैथिली मे</head>

**<body>**

हालहि संपन्न दिल्ली नगर निगम मे मिथिलाक विभिन्न मैथिल लोकनि केँ भिन्न-भिन्न राजनीतिक दल केर टिकट सँ जीत भेटलनि। काल्हि १८ मई शपथ ग्रहण समारोह मे बहुते गोटा मैथिली मे शपथ ग्रहण करैत अपन मातृभाषा आ मौलिक पहिचान केँ निगमक पटल पर स्थापित करबाक महत्वपूर्ण कार्य कएलनि अछि। प्रजातांत्रिक गणतंत्र भारत केर ईहो एक बड पैघ विशिष्टता छैक जे जाहि कोनो स्थान पर जाहि कोनो क्षेत्र जनमानस बेसी अछि त ओहि ठामक जनप्रतिनिधि सेहो ओहि बहुल्यताक आधार पर चुनल जाएत अछि। एक दिशि मूल धरातल पर घोर जातिवादी राजनीतिक भुमड़ी मे फँसल मूल प्रदेश बिहार मे बेरोजगारीक कारण लोकपलायन केर दंश देखल जाएछ त दोसर तरफ भारतक राजधानी दिल्ली मे मैथिल जनमानसक राजनीतिक वर्चस्व दिन ब दिन बढैत देखाएछ।

अखिल भारतीय मिथिला राज्य संघर्ष समितिक प्रवक्ता शिशिर कुमार झा केर अनुसार समितिक अथक प्रयास सँ दिल्ली उत्तरी नगर निगम मे नवनिर्वाचित पाँच गोट पार्षद अपन मातृभाषा मैथिली मे शपथ ग्रहण करैत पदभार स्वीकार कएलनि अछि। मैथिली मे शपथ लेनिहार मे उपमहापौर विजय कुमार भगत, अजित झा, सोना चौधरी, पूनम पराशर झा आर सुजित कुमार ठाकुर शामिल छथि।

प्रवक्ता झा जानकारी देलनि अछि जे सचिव सँ एहि विषय मे पहिनहि जिज्ञासा करैत शपथ पत्रक प्रारूप मैथिली मे बनल या नहि से पूछल गेल छल, परञ्च प्रारूप निगमक गोपनीय दस्तावेज हेबाक कारण अखिल भारतीय मिथिला राज्य संघर्ष समिति केँ उपलब्ध नहि कराओल जा सकल छल। तथापि शपथ ग्रहण केर समय उद्घोषणा कएल गेल जे जँ कियो मैथिली मे शपथ लेबाक इच्छूक छी त हिन्दीक प्रारूप केँ स्वस्फूर्त अनुवाद कय मैथिली मे शपथ लय सकैत छी। संघर्ष समितिक तरफ सँ प्रारूपक घोषणा करैत देरी तत्परता सँ मैथिली मे प्रारूप तैयार कय सब पार्षद लोकनि केँ थमा देल गेलनि। संतनगर (बुरारी) सँ पार्षद कल्पना झा लेकिन हिन्दिये मे शपथ-ग्रहण कयलीह, ई विस्मीत केलक आर बूझय मे सेहो नहि आयल जे अपन अस्मिता सँ ओ कन्नी कियैक कटलीह, श्री झा अपन प्रतिक्रिया मे जनौलनि।

मैथिली जिन्दाबाद केँ पठाओल गेल विज्ञप्ति मे अहु बातक जनतब देल गेल अछि जे ई शपथ ग्रहण समारोह जे करीब ४ दिन धरि चलत ताहि मे आरो मैथिल पार्षद सभक हाथ मे अनुवादित शपथ प्रारूप हस्तान्तरित कएल गेल अछि, अन्त धरि शपथ लेनिहारक संख्या १० धरि पहुँचबाक गुंजाइश मानल जा रहल अछि। समिति द्वारा सब पार्षद केँ अपन मौलिक पहिचान केँ सम्मानित करैत आगामी कार्यकाल लेल सेवा मे पर्यन्त मैथिली-मिथिला प्रति समर्पित रहबाक अपेक्षा रखैत शपथ ग्रहण मे मातृभाषा मैथिलीक प्रयोग लेल आभार प्रकट कएल गेल अछि। संगहि, ई मैथिली-मिथिलाक बड पैघ जीत होयबाक बात सेहो कहल गेल अछि। संघर्ष समितिक राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. बैद्यनाथ चौधरी बैजू सेहो सब पार्षद केँ एहि महत्वपूर्ण कार्य लेल धन्यवाद कहलैन। संगहि अन्तर्राष्ट्रीय संयोजक प्रो. अमरेन्द्र झा आगामी समय मे आपसी सहकार्य बढबैत देशक राजधानी दिल्ली मे मैथिली-मिथिलाक आरो बहुत महत्वपूर्ण कार्य निष्पादन कएल जेबाक आशा रखैत कहलनि जे राजकीयकृत विद्यालय सब मे मैथिलीक पढौनी सहित अन्यान्य मुद्दा पर हिनका लोकनिक संग सहकार्य कएल जायत। कार्यकारिणी सदस्य काशीनाथ चौधरी शपथ ग्रहण समारोह मे पहुँचि समस्त पार्षद सब सँ भेंट कय फूलक गुलदस्ता सहित धन्यवाद ज्ञापन कएलनि।

पार्षद अजित झा द्वारा उपरोक्त शपथ ग्रहण समारोह मे मिथिला खास परिधान धोती, कुर्ता, दोपटा आ पाग मे सहभागिता समारोह मे चारि चाँद लगा रहल छल। कहबी ओहिना नहि छैक जे मिथिला अपन मूल स्थान पर भले मिथिला नहि रहि गेल हो मुदा दिल्ली मे मिनी मिथिला जरुर शिफ्ट भऽ गेल अछि। मैथिली जिन्दाबाद केर तरफ सँ समस्त पार्षद आ संघर्ष समितिक दिल्ली कार्यकर्ता केँ धन्यवाद व शुभकामना! भविष्य मे अहाँ सब आरो नीक करी आ अपन गाम नहि बिसरी। जय मिथिला – जय जानकी!!

**</body>**

**<topic> Society </topic>**

**<about> 18th August 2017, Delhi http://www.maithilijindabaad.com/ </about>**

## <head> बाढि कम प्रलय बेसीः सन्दर्भ विराटनगर-जोगबनीक अनुभव </head>

**<body>**

मानव समुदाय पर जखन विपत्तिक पहाड़ टूटैत छैक त पीड़ित पक्ष आ ओकरा पीड़ा मे देखि आरो मानवीय पक्ष बहुत आहत होएत छैक, ताहि समय राहत देबाक मानवता देखबैत पीड़ित धरि अपना-अपना तरीका सँ हम सब पहुँचैत छी। हम नेपालक विराटनगर मे रहैत छी। एतय सेहो अविरल वर्षाक कारण सर्वाधिक प्रभाव कच्चा माटिक घर – झुग्गी-झोपड़ी मे रहनिहार आम जन पर बेसी पड़लैक। पक्का मकान आ उच्च स्थान पर बसल लोकक घर धरि पानि पहुँचलैक मुदा जीवन निर्वाह करय लेल सुरक्षित स्थान ताकय मे बहुत परेशानी नहि भेलैक। नहिये बहुत बेसी छतिक समाचार कतहु सँ सुनल।

शहरक चारूकात निचला भूभाग मे बसल – कतहु नहरक कात मे बसल, कतहु नदीक कछेर पर बसल, खेती होइ योग्य भूभाग मे बसल एहि जनवर्गीय जनमानसक घर मे बाढिक पानि पैसि जेबाक कारण अपना सहित माल-जाल सभ केँ लय केँ नजदीकक कोनो उच्च स्थान पर शरण लेबय पड़ि गेलैक। कतेक लोक एना घर सँ बाहर सुरक्षित स्थानक खोजी मे जेबाक क्रम मे तेज धार संग बहैत पानि मे भसिया गेल – विराटनगर सँ सटले दक्षिण मे जोगबनी स्टेशन जे लगभग सीमा पर अवस्थित छैक ओतय आर ओहू सँ आगू बैहकय चलि गेल।

एखन धरि जोगबनी मे दर्जनों लाश निकालल जा चुकल छैक। विराटनगर के दक्षिणी छोर पर अवस्थित दरहिया बस्ती आ तहिना विराटनगर – नेपाल केर सीमा पर अवस्थित जोगबनी स्टेशन सँ सटले पश्चिम टिकुलिया बस्तीक २१ गोट लोक अफरातफरी मे अपन जान गमा देलक। टिकुलिया, दरहिया केर अतिरिक्त आन-आन स्थान सँ कतेको लोक दहा-भसिया गेल छल तेकर लाश स्टेशनक बगलवला चभच्चा मे भेटलैक। बिहारक अररिया जिलाक जोगबनी मे एहि सब लाश केँ उचित व्यवस्था मे प्रशासनिक लापरवाही आ एक स्थान सँ लाश निकालि दोसर स्थान पर नदी मे फेकबाक समाचार सँ आक्रोश एतेक बढि गेलैक जे जनविद्रोह आ तनावक स्थिति सेहो बना देलकैक।

जानल-मानल हिन्दुस्तान पत्रिकाक पत्रकार वरुण मिश्र केर घर सेहो टिकुलिया मे पड़ैत अछि। बीतल शनि दिन भोरे अपन रूटीन अनुसार ५ बजे स्टेशन पूब बाजार मे अवस्थित अपन पत्रिका बिक्री केन्द्र पर पहुँचि गेल छलाह। लगभग ७ बजेक आसपास हुनक धर्मपत्नी मालाजी फोन पर जनतब देलखिन जे अचानक पानि बढैत-बढैत घरक देहरी नांघय लागल अछि। यथार्थतः एम्हुरका लोक कहियो बाढि सँ परिचित नहि रहबाक कारण ई अनुमान नहि लगा सकल छल जे पानि एहि तरहें बेतहाशा बढत आ कनिके समय मे गामक-गाम केँ लिल जायत।

बरुणजी केँ खबैर अबैत देरी हड़बड़ाकय स्टेशन नांघि घर जेबाक वास्ते प्रयास कएल गेल, लेकिन पानिक बिकराल रूप देखि स्टेशन आ बस्तीक बीच चभच्चा (खाई) केर बगल सँ पगडन्डी रोड धेने बस्ती पर जेबाक हिम्मत नहि भेलैक। एतय दृश्य कतेक खतरनाक छैक से शब्द मे बयान करब हमरा कठिन बुझाएत अछि… लगभग २० फीट के रस्ता, रस्ताक उत्तर भारत-नेपाल सीमा निर्धारक एक पैनी (छोट नदी) आ रस्ताक दक्षिण लगभग ५०० मीटर बाइ ३०० मीटर केर झीलनूमा चभच्चा…. आब नदी आ चभच्चाक बीच एकमात्र रस्ता आर स्टेशन सँ बस्ती दिश बनल एकटा दोसर कच्ची पगडन्डी सँ लोक सब आबर-जात करबाक लेल बाध्य छल, कच्ची पगडन्डी त पहिनहि डूबि गेल हेतैक अनुमानतः आर एकमात्र पक्की बाट जे नदी-चभच्चाक बीच छैक ताहि पर सँ कहाँदिन ३-४ फीट पानि तेज गति सँ बहि रहल छलैक। आर जे कियो दुःसाहस केलक आर-पार करय के ओ भासि गेल आ मारल गेल। बरुणजी मोबाइल सँ पत्नी आ बच्चा सब केँ धैर्यता धारण कय अपन जानक रक्षा करबाक सन्देश देलखिन आर घर पक्की रहबाक कारण कोनो बेसी चिन्ता नहि करैत सब केँ छत पर शरण लेबाक निर्देशन देलखिन।

करीब ७-८ घंटा बाद पानि कम भेलाक बाद अपने घर जाय सब केँ शान्त केलैन। लेकिन एहि बस्तीक निचला भाग आ कच्ची घरक बासिन्दा सब मे अफरा-तफरी भेल आर सुरक्षित स्थान तकबाक क्रम मे बच्चा, स्त्रीगण, युवा, बूढ – कतेको लोक बाढिक चपेट मे आबि गेल। एखन एहि बस्ती मे मातम केर स्थिति अछि। मोटामोटी एहने हाल दरहिया बस्तीक सेहो छल। लेकिन एतय नेपाली पुलिस आ सेना सब जीवन-रक्षक नाव केर प्रयोग करैत कतेको लोक केँ सुरक्षित स्थान धरि पहुँचेलक आर एहि तरहें जान-मालक नुकसान कम भेलैक। मनुष्यक जान भले एतय बचाओल गेल लेकिन मवेशी बेतहाशा भसिया गेल।

हमर निजी अनुभव मे शनि दिन छुट्टी होयबाक कारण घरहि मे बितेबाक कारण एहेन तान्डवपूर्ण स्थिति बाहर मे भेल होयत ई अकल्पनीय छल। लेकिन रवि दिन भोरे किछु दूरी धरि घूम-फिर केलापर ई ज्ञात भेल जे स्थिति वास्तव मे भयावह छल। भगवान् सँ बेर-बेर प्रार्थना करैत रहलहुँ आ पानि जे ताबत ४०-५० घंटा निरन्त बरैस चुकल छल से रुकबाक लेल ‘साहौर-साहौर’ केर गोहार पिता सँ सीखलहबाक प्रयोग करैत रहलहुँ। सच मे रवि दिन १० बजे पानि स्थिर भेल ताहि सँ बहुतो जान-मालक रक्षा भऽ सकल, नहि त कहियो नहि बाढिक अनुभव कएनिहार विराटनगर, जोगबनी केर लेल ई आरो खतरनाक सिद्ध होएत।

धन्यवाद ओहि समस्त सामाजिक संस्था केर, व्यक्ति आ सरकारी तंत्र केर जे एहि महाप्रलयक घड़ी अपन-अपन सामर्थ्य अनुरूप राहत वितरण कार्य केलक। लोक केँ असुरक्षित घर सँ सुरक्षित स्थान धरि पहुँचेलक। एखनहु विराटनगर मे सामूहिक भोजशाला चलायल जा रहल अछि जाहि ठाम सैकड़ो बाढि-पीड़ित जनता भोजन ग्रहण कय पबैत अछि। सरकारक तरफ सँ सेहो राहतक घोषणा कएल गेलैक अछि। वार्ड अध्यक्ष आ राजनीतिक कार्यकर्ता सब सेहो जी-जान एक कय लोकक सेवा मे लागल अछि। हमर नियोक्ता कंपनी एशियन थाई फूड्स प्रा. लि. जे लोकप्रिय ब्रान्ड रमपम चाउचाउ केर उत्पादक थिक ओकरो तरफ सँ भरपूर राहत वितरण कएल गेलैक अछि। तहिना एशियन बिस्कुट केर तरफ सँ आ हमर नियोक्ता-नियोजक लोकनि स्वयं राहत वितरण करबाक लेल सब संभव पहल करबा मे आगू रहला एहि सँ आत्मसंतोषक संग प्रसन्नता भेट रहल अछि जे जरुरत मे मानव जँ अन्य मानव केर हित लेल सोचय त ओकर महानता प्रणम्य भेल। ईश्वर सब पीड़ित केँ शीघ्र साम्य करैथ यैह प्रार्थना!

**</body>**

**<topic> Sports </topic>**

**<about> 13th April 2016, Delhi http://www.maithilijindabaad.com/ </about>**

# <head>खेल जगत् मे मिथिलाक बेटी जूही पहुँचली शीर्ष पर</head>

**<body>**

मिथिलाक मधुबनी जिला अंतर्गत हरिणे गामक बेटी जूही झा इंदौर मे भ’ रहल एशियन खो-खो चैंपियनशिप मे भारतीय टीमक सक्रिय प्रतिनिधित्व कएलनि अछि । एहि राष्ट्रीय टीम मे मध्यप्रदेश सँ चयनित 18 बर्षक जुही, श्री सुबोध झाक पुत्री आ श्री शोभाकांत झाक पौत्री छथि ।

जूही पाँचम वर्ग सँ निरंतर खो-खो खेलैत अहि सँ पहिने महारष्ट्र, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक आ आँध्रप्रदेश मे अपन प्रतिभाक लोहा मनवा चुकल छथि । इंदौरक हैप्पी वंडर्स मैदान मे संपन्न तेसर एशियन चैंपियनशिप मे भारत बांग्लादेश केँ पराजित कय विजयी भेल अछि।

लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन, केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावडेकर, राज्य शिक्षा मंत्री पारस जैन, एसियन खो-खो एशोसिएसनक सचिव अहमद चौपाल आ इंडियन ओलम्पिक एशोसिएशनक सचिव राजीव मेहता विजेता टीम केँ पुरस्कृत केलैन ।

एखन जूही इंदौर सँ खो-खो फेडरेशन मे प्रशिक्षण सेहो ल’ रहल छथि । एकटा सामान्य परिवार सँ अबैत जूही इंजीनियर बनबाक इक्षुक छली मुदा खो-खो मे विशेष रूचिक कारने आब एकटा खो-खो खिलाड़ीक रूप मे विद्यालय सँ आरम्भ करैत अंतर्राष्ट्रीय स्तर धरि अपन पहचान बना चुकल छथि ।

अहि सफलता सँ आह्लादित जूही कहैत छथि जे एक दिन ओ विश्व खो-खो चैंपियनशिप मे भारतक प्रतिनिधित्व करैत देशक नाम रौशन करबाक संग-संग अपन मातृभूमि मिथिलाक गौरव केँ बढौती। ओ एहि सफलताक श्रेय अपन माय श्रीमती रानी झा केँ दैत छथि । जूही कहैत छथि जे परिवार सँ भेटल प्रोत्साहनक बिना ई सब संभव नहि भ’ सकैत छल ।

हिनक अग्रज अभिषेक झा सेहो स्पोर्ट अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया केँ तरफ सँ खेलैत छथि । जूहीक ई सफलता देशक संगे समस्त मिथिलाक लेल गौरवक विषय अछि ।

**</body>**

**<topic> Festival </topic>**

**<about> 13th April 2013** [**http://maithilinews.blogspot.in/2013/08/blog-post\_8675.html**](http://maithilinews.blogspot.in/2013/08/blog-post_8675.html) **</about>**

### <head>मधुश्रावणी : माधुर्य संग गम्भीर चिन्तनो </head>

**<body>**

मिथिलाक वातावरण संगीतमय भऽ उठल अछि। नव विवाहितकामहापर्व मधुश्रावणी जे शुरू भऽ गेल अछि। मधुश्रावणी जकरामिथिलाक गामघरमे मोसरामनी सेहो कहल जाइछ अपन नामकअनुकूल मधु-रससँ सराबोर अछि। अन्तिम दिन पतिक संगमोसरमनी पुजबाक बाद हुनका हाथे तेसर बेर सिन्दूरदानक विधिनव विवाहिता लोकनिकेँ एक बेर फेर पुलकित कऽ देतनि। आ एहनपाबनि संगीत विहीन कोना होयत जखन मिथिलाक कोनो पाबनि-तिहार आ कि संस्कार बिना गीतक नञि होइत अछि। से गितगाइनसभ नव विवाहिताक आङनमे जूटि वातावरणमे अपन मनोहारीसामूहिक स्वर घोरब शुरू कऽ देलनि अछि। पबनैतिनक आङनमेभोर होइते हबगब आरम्भ भऽ गेल अछि आ पूजा आरम्भ होइतेसभ विधिक गीत बेराबेरी भऽ रहल अछि। ‘विनती  सुनियौ हे  महरानी,  हम  सभ शरणमे ठाढ़, अक्षत  चानन  अहाँकेँ  चढ़ायब, आरती  उतारब ना’ सँ गोसाउनिकेँ गोहरायल जाइत अछि, तँ‘साओन मास नागपञ्चमी भेल, बिसहरि गहवर सोहाओन भेल’ गीतसँ बसहरिक अभ्यर्थना भऽ रहल अछि। ओतहि ‘पहिरि ओढ़ियकनिञा सुहबे पाबनि पूजऽ बैसली हे, हे शुभ पावनि दिनमे’ केरमाध्यमे पर्वक उछाह प्रकट होइत अछि। पूजन होइत-होइत दुपहर भऽ जाइत अछि आ तकर बाद सोलहो शृंगारकेने नव विवाहिताक टोली केर समवेत स्वर वातावरणमे अनुगुञ्जित भऽ उठैत अछि ‘लालहि बन फूल लोढ़बफुल तोड़ब,  हे सिन्दुर भरल सोहाग, बालमु संग गौरी पूजब।’ गहना-गुड़ियासँ लदल नव विवाहिताक लोकनिकपदचापसँ उठैत रुन-झुन स्वर वातावरणकेँ अलौकिक बना रहल अछि। ई सभ फूल लोढ़बा लेल बहरेली अछि।फूल लोढ़बा लेल, तोड़बा लेल नञि। माने साँझ धरि जे फूल मौलायब आरम्भ भऽ गेल अछि, झरि जेबा योग्यभऽ रहल अछि, तुइबा लेल प्रस्तुत अछि तकर सञ्चय करबा लेल। अधिकांश फूल भोरमे फुलाइत अछि से साँझधरि लोढ़बे योग्य रहि जाइत अछि। ओकरा सभकेँ चुनि कऽ अपन डाला भरैत नव विवाहिताक सासुरसँ आयलभार-दोरक बात, पतिक चर्चा, परिहास आ हँसीक बोर दैत नव विवाहितामेसँ क्यौ फेर उठा दै छथि बटगमनी आमिथिलाक संस्कृति ओहिमे बिहुँसऽ लगैत अछि। आनन्द मग्न नव विवाहिताकेँ अन्तिम दिन टेमी दगबाकपरम्पराक रोमाञ्चो छनि। पानक पातसँ पति आँखि मुनता आ टेमी दगबाक विधि होयत। चर्चामे ई विधि सेहोअछि आ लुकझुक होइत-होइत सभ अपन डाला फूल-पातसँ भरि घुरै छथि तँ साँझक गीत आरम्भ भऽ जाइतअछि ‘कोन घर साँझ सँझाय गेल कोने घर दीप जरु रे, बाबू कोने सिर कल्याण भेल लक्ष्मी दहिन भेल रे...।’

कहबाक तात्पर्य जे सगरो उछाहे उछाह अछि, मुदा एहि महापर्वमे एतबे धरि नञि अछि। ई अपना भीतरमेअनेक महत्वपूर्ण आ महत्वपूर्ण तथ्य समेटने अछि। एकर महत्ताकेँ एहीसँ बूझल जा सकैत अछि जे ईसाहित्योमे अपन स्थान बनेलक। डॉ. शैलेन्द्र मोहन झाक उपन्यास ‘मधुश्रावणी’ मैथिली साहित्यमे आइयोअपन विशिष्ट स्थान रखैत अछि। ओना एहि पोथी सन दुखान्त मधुश्रावणी पाबनि नञि अछि। ई अपनाअन्तसमे मधुरताक संग बहुत रास चिन्तन सहेजि रखने अछि। आने पाबनि जकाँ एकर सामाजिक सरोकार तँअछिए ई नव विवाहिताकेँ गाहर्स्थ्य जीवनक योग्य बनेबाक काज सेहो करैत अछि। से व्यावहारिक आमनोवैज्ञानिक दुहू स्तरपर।

### गृहस्थ जीवन लेल दैछ मार्ग-निर्देश

मिथिलाक नव विवाहिताक पाबनि मधुश्रावणी आस्थाआ श्रद्धासँ गहीँर धरि जुड़ल अछि। नव विवेहते नञिअपितु मिथिलाक कतेको विवाहिता आजीवन एहिपाबनिकेँ मनबै छथि। हँ, ओ नव विवाहिता एकरासाओन कृष्ण पक्षक पञ्चमीसँ साओन शुक्ल पक्षतृतीया धरि मनबै छथि जिनका वैवाहिक जीवनमेपहिल बेर ई पाबनि अबै छनि आ आन आन विवाहिताअन्तिम दिन उपास रखै छथि कि एकसञ्झा करै छथिआ अनोन खाइ छथि। नव विवाहिताकेँ मोसरामनीपुजेबामे ओ नित्य बढ़ि-चढ़ि कऽ भाग लै छथि। हुनकउछाह देखिते बनैत अछि। ई तँ अछि श्रद्धा-विश्वासकहाल। एकर दोसर पक्ष सेहो अछि। नव विवाहितागृहस्थ जीवनमे प्रवेश करै छथि तँ हुनका गृहस्थीकगाड़ी गुड़केबा लेल आवश्यक जनतब सेहो चाही।मधुश्रावणी एहिमे मेहक काज करैत अछि। एहिपाबनिमे पबनैतिनकेँ सभ दिन फराक-फराकनिर्धारित कथा सुनाओल जाइ छनि जे गाहर्स्थ्यजीवनसँ कोनो ने कोनो रूपमे जुड़ल रहैत अछि। मिथिलामे सभसँ नीक शिव-पार्वतीकेँ नीक दम्पती गेलनिअछि। हुनकासँ जुड़ल अनेक कथा पबनैतिनकेँ सुनाओल जाइ छनि। एकर अतिरिक्त ओ मंगला गौरी, पृथ्वीकजन्म, समदु्र मन्थन, सती, पतिव्रता, गंगा, गौरीक जन्म, काम दहन, गौरीक तपस्या, गौरीक बियाह, मैनाकमोह भंग, कार्त्तिकेय, गणेश, लीलीक जन्म, विदाइक भार, गौरिक भागिन पुरिबा-पछबा, पतिव्रता सुकन्या, गौरीक ननदि आदिक कथा सुनै छथि। एहि कथा सभमे जतऽ शास्त्रीयताक पुट रहैत अछि ओतहि दाम्पत्यजीवनमे केहन आचार-विचार हेबाक चाही, एकर की लाभ होइत अछि आ विमरीत गति अपनेने की हानि होइतअछि, विवाहक बाद नव सम्बन्ध ननदि, भागिन आदिसँ सेहो हुनका परिचित कराओल जाइ छनि। ई कथा सभनव-नव सम्बन्धक बीच समन्वय बनेबाक आ गृहस्थीकेँ सुचारु रूपसँ चलेबाक मानसिकता तैयार करैत अछि।

### सासुरवास लेल मनोवैज्ञानिक तैयारी

मधुश्रावणी ओना तँ आने पाबनि जकाँ नजरि अबैत अछि, मुदा एकर महत्व एहि दृष्टिञे बढ़ि जाइछ जे ई ओहिनव विवाहिता लेल अछि जे अपन ओहि घर-परिवारकेँ छोड़ि अपन सासुर जेती जाहि ठाम ओ बालपनसँ लऽयुवावस्था धरि बितेलनि। जाहि गामक माटि-पानिमे ओ खेलेली। माता-पिता, भाय-बहिन, काका-काकी, सखी-बहिनपा, अपना गामक चिन्हार खेत-खरिहान, गाछी-बिरछी, पोखरि-झाँखरि सभकेँ त्यागि ओ ओहि गाम जेतीजाहि ठाम हुनक परिचित पति मात्र हेथिन। बड़सँ बड़ ओ देओरकेँ चिन्हैत हेती। अपरिचित सासु-ससुर, ननदि-नन्दोसि, देयादनी, भैंसुर, देयोर आदिक बीच हुनका अपन गृहस्थी बसेबाक छनि। मधुश्रावणी नव विवाहिताकेँसासुरवास लेल मनोवैज्ञानिक रूपसँ तैयार सेहो करैत अछि। एहिमे नव विवाहिता लेल विधान कयल गेल अछिजे अछि जे ओ भरि पाबनि सासुरेसँ आयल अन्न, फल, दूध, पूजन सामग्री, वस्त्र आदिक उपयोग करती।परिणाम ई होइत अछि जे नव विवाहिता अपन नैहरमे रहितो ओहि ठामक किछु उपयोग नञि करै छथि। काल्हिधरि जाहि नैहरक सभ किछु उपयोग करैत रहली ताहिसँ लगातार 14 दिन कटल रहब सेहो नैहरमे रहितेहुनकापर मनोवैज्ञानिक असरि जरूर बनबैत हेतनि। एहिसँ मानसिकता अवश्य बनैत होयत जे आब ओ हुनकअपन घर नैहर नञि छनि। नैहरक बदला सासुरकेँ अपन घर मानबा दिस प्रेरित करबाक ई पाबनि पहिल सीढ़ीबनैत अछि। तहिना सासुरक आर्थिक स्थितिसँ अवगत भऽ तदनुकूल अपनाकेँ तैयार करबाक अवसर सेहो ई नवविवाहिताकेँ दैत अछि। पाबनि लेल कनिञाकेँ पठाओल जायवला मधुश्रावणीक भारक ओरियान प्राय: वास्तविक आर्थिक स्थितिसँ थोड़े बढ़िएक कऽ कयल जाइत अछि। एहि पाबनिमे कनिञाक संग हुनक माय आनैहरक आन स्त्रीगण परिजन लेल वस्त्र सेहो पठाओल जाइत अछि। एहिसँ अनुमान कयल जा सकैछ जेकनिञाक सासुरक केहन भोजन आ पहिरन-ओढ़न छनि। नव विवाहिताकेँ ई अवसर दैत अछि जे आयल भारसँकम कऽ अपना सासुरक आर्थिक स्थितिकेँ आँकथि आ ओहिमे अपन सामञ्जस्य लेल तैयार होथि।

### पर्यावरणसँ बढ़बैछ निकटता

ओना तँ सभ पाबनि प्रकृतिएपर आधारितहोइत अछि। जखन-जखन प्राकृतिकपरिवर्त्तन होइत अछि कोनो ने कोनो पाबनिअवश्य मनाओल जाइत अछि, मुदा नवविवाहिताक महापर्व मधुश्रावणी एहन पाबनिअछि जे पबनैतिनकेँ सोझे प्रकृतिसँ जोड़ैतअछि। ओकरा प्रकृतिक लग अनैत अछि आ ईसन्देश दैत अछि जे पर्यावरणक लेल सभगाछ-बिरिछ अनिवार्य आ उपयोगी अछि।एहि पाबनिमे पबनैतिन रोज साँझमे फूल लोढ़ैछथि। फूलक संग ओ विभिन्न गाछक पातसेहो जमा करै छथि। ताहिमे बेली, चमेली, ओड़हुल, गुलाब, कनैल, अपराजिता आदिकफूल आ जाही, जूही, बाँस, मेहदी, लताम, औरा, अनार, अकौन आदिक पात होइत अछि। एहि सभसँ डाला भरिपबनैतिन नित्य साँझमे घर घुरै छथि आ एही फूल-पातसँ अगिला दिन भोरमे पूजन होइत अछि। एहि पाबनिमेबासिए फूल-पातसँ पूजाक विधान अछि। फूल लोढ़बा काल तँ नव विवाहिताक बीच गाछ-पातक नाम आ ओकरउपयोगिताक चर्च होइते अछि, कोन फूल-पात पूजाक उपयोगमे आयत आ नञि ताहिपर एक-दोसरसँ तँ विमर्शहोइते अछि, बूढ़-पुरान सेहो एहि सम्बन्धमे नवका पीढ़ीकेँ जानकारी दैत रहला अछि।ई क्रम पहिल दिन मौनापञ्चमीसँ लऽ अन्तिम दिन धरि चलैत अछि। पातो तोड़बाक विधान ताहि समयमे राखल गेल अछि जखनबरखा होइत रहैत अछि। पाबनि साओन मासमे होइत अछि आ एहि समयमे गाछसँ पात हटेने ओकर क्षति नञिहोइत अछि।

### साँप पर्यन्त केर रक्षाक मानसिकता

पर्यावरणमे साँप सन विषधर केर सेहोमहत्वपूर्ण स्थान अछि। आधुनिक विज्ञानोएकरा स्वीकार करैत अछि। से कतेकोअनुसन्धानक बाद, मुदा मिथिला अदौसँएकरा जनने अछि। मात्र जनबे ने केलक, अपितु साँप सन जीव पर्यन्तक रक्षा लेल एकरविधान मधुश्रावणीक संग केलक। नवविवाहिता तिथिक हिसाबे लगातार 14 दिनधरि बिसहरि केर पूजन करै छथि। नाग-नागिनसँ सम्बन्धित अनेक कथा सुनै छथिजे आगामी जीवनक पाथेय बनैत अछि।अक्षय अहिबातक कामना संग होबऽ वला एहिपाबनिकेँ महिलेसँ ताहूमे नव विवाहितासँजोड़बाक पाछाँ कारण सेहो अछि। ई विधान प्राय: एहि दुआरे कयल गेल जे ओहि नव विवाहिताक जीवनमेपहिल बेर ई पाबनि अबैत अछि भावी माता होइ छथि। जँ माय पर्यावरणक संरक्षा-सुरक्षा केर संग सर्प सनजीवक प्रति संवेदनशील हेती तँ ओ अपना सन्तानमे सेहो एकर संवेदना भरि सकती। यैह कारणो अछि जेमिथिला क्षेत्रक महिला तँ धार्मिक-आध्यात्मिक होइते छथि, हुनकासँ कनेको कम पुरुष नञि होइ छथि। तेँअन्धानुकरणक अन्हर-बौखीक बादो एखनो मिथिलाक अधिकांश लोक अपन सांस्कृतिक परम्पराक प्रतिममत्व रखै छथि। ओना धीरे-धीरे एहूमे घून लागब शुरू अछि।

### महिलाक पौरोहित्य सशक्तिकरणक आधार

सगरो दुनिञामे महिला सशक्तिकरणक अनघोल अछि। सभ तरि एके रंग बात जे महिलाकेँ कतिया कऽ राखिदेल गेल। हुनका विकास नञि करऽ देल गेल। अपनो ओहि ठाम यैह हाल, मुदा मिथिलाक स्थिति अतीतमे देश-दुनिञाक आन क्षेत्रसँ सर्वथा भिन्न रहल अछि। ई सत्य जे पुरुष समाज जकाँ अपनो ओहि ठाम महिलालोकनिक समाजक सभ क्षेत्रमे सक्रिय नञि रहली, मुदा विद्याक क्षेत्रमे एहन नञि रहल। ज्ञानार्जनक अधिकारप्राचीन कालेसँ मैथिलानीकेँ रहलनि। तेँ ने मिथिला पुत्री गार्गी एतहि भेल छली जे राजा जनक ओहि ठामब्रह्मज्ञानी लोकनिक सभामे सम्मिलित होइत छली। शास्त्रार्थ करै छली। से की बिना पढ़ने-लिखने? तहिनासुलभा, सुनयना, मैत्रेयी, भारती, लखिमा आदि रहली। तहिना महिलाकेँ पौरोहित्यक अधिकार सेहो छलनि।आइयो छनि। मधुश्रावणी पाबनिमे आइयो महिलाकेँ पौरोहित्य करबैत देखल जा सकैत अछि। महिला पुरहितहोइ छथि टोल-समाजक कोनो बूढ़-पुरान दादी, काकी, पीसी आदि जे प्रतिदिन नव विवाहिता पबनैतिनकेँमोसरामनी पुजबै छथि आ सभ दिन लेल निर्धारित फराक-फराक कथा कहै छथि। अन्तिम दिन हुनकादक्षिणामे नव नूआ आदि सेहो भेटै छनि। आर तँ आर गाम-घरमे हुनका ‘पण्डीजी’ कहि सम्बोधित सेहो कयलजाइ छनि। कतेको गाममे आइयो मोसरामनी पुजनिहारि नव विवाहिता सभक बीच फूल लोढ़बा काल ई संवादसुनल जा सकैत अछि ‘गे बहिना तोहर पण्डीजी के छथुन, हमर तँ अपने बड़की मैञा छथि?’ उत्तरमे कोनो काकी, कोनो दीदी, कोनो गामवालीक नाम कहल जाइत अछि। ई व्यवस्था लौकिक अछि। माने शास्त्रीय आ लौकिकदुहू दृष्टिञे मिथिला अपन मातृ शक्तिकेँ यथोचित सम्मान दैत रहल अछि। ई परम्परा नव विवाहिताक महापर्वमोसरामनीमे एखनो विद्यमान अछि।

**</body>**

**<topic> Historical </topic>**

**<about> 27th September 2013** [**http://maithilinews.blogspot.in/2013/08/blog-post\_8675.html**](http://maithilinews.blogspot.in/2013/08/blog-post_8675.html) **</about>**

### <head>हकन्न कानि रहल मिथिलाक ऐतिहासिक स्थल </head>

**<body>**

जगत जननी जानकीक आविर्भाव स्थली मिथिलाक पवित्र भूमिपर जते डेग चलब ततेक ऐतिहासिक, पुरातात्त्विक आ धार्मिक स्थल भेटि जायत। ई पढ़बा-सुनबामे भने अतिशयोक्ति लगैत हो, मुदा जखन मिथिला क्षेत्रमे चारू भरि नजरि खिरायब तँ ई सहज लागत। एहि ठाम धार्मिक किंवा आध्यात्मिक स्थलक बहुतायत भेटत, तेँ ऐतिहासिक आ पुरातत्त्व स्थल एहिसँ कनेको कम नहि भेटत। धार्मिको स्थलमे अधिकांश अपनामे इतिहास आ पुरातात्त्विक महत्वकेँ समेटने अछि। जेम्हरे टहलि जाउ कने कान पाथि दियौ आ कनेको अँखिगर-चँकिगर होइ तँ ओहि ठामक सिहकैत बसात इतिहास-गाथा सुनबैत भेटि जायत। से प्राचीन मिथिला, माने ओहि मिथिलामे सेहो ई गुण भेटत जाहिमे ई नेपालक मिथिलाक संग छल आ वर्त्तमान मिथिलामे सेहो। एहि सभकेँ पर्यटन केन्द्रक रूपमे विकसित कऽ देशक, राज्यक आ मिथिला क्षेत्रक आर्थिक स्थितिकेँ तँ सुदृढ़ कयले जा सकैत अछि। आर्थिक स्थिति सबल होयत तँ आनो-आन तरहक विकास सहजे होइत चलि जायत। एकरा संगहिँ एक बेर फेरसँ मिथिला अपन विशिष्ट परिचय मन पाड़ैत विश्वक शिरो-मुकुट बनि सकैत अछि। पर्यटनक दृष्टिसँ मिथिलाक सुप्रिष्ठा आरो बढ़ि सकैत अछि। एहि ठाम एहन स्थलक कमी नञि अछि जे पर्यटन केन्द्र केर रूपमे विकसीत भऽ सकय, मुदा दुर्भाग्य अछि जे ई सभ ऐतिहासिक स्थल सभ अपन उपेक्षासँ हकन्न कानि रहल अछि।

मिथिलामे एखनो देश-विदेशसँ लोक अबै छथि। अबै छथि एहि ठामक अक्षर-ब्रह्म उपासक लोकनिक कीर्त्ति केर अवलोकन करबा लेल। मिथिलाक विद्वद् परम्परा हुनका एहि ठाम अनै छनि। शोध केर क्रममे अनेको विदेशी छात्र आ शिक्षक कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, ललितनारायण मिथिला विश्वविद्यालय आ संस्कृत शोध संस्थानक धनी पुस्तकालयसँ सहयोग लेबा लेल अबै छथि। ओतहि मिथिला चित्रकलाक अवलोकन किंवा ओहिपर कोनो विशेष काज करबाक होइ छनि तँ मधुबनीक गाममे ई सभ नजरि अबै छथि। एहि हिसाबे मिथिलाक एहि क्षेत्रकेँ शैक्षिक पर्यटन केन्द्रक रूपमे विकसित कयल जा सकैत अछि। ओतहि मिथिलाक सभ जिलाक ऐतिहासिक स्थल सभकेँ विकसित कयल जा सकैत अछि। एहिमे दरभंगा केर  रामायणकालीन महर्षि गौतमक स्थान, अहल्यास्थान, भैरव बलिया, नवादाक हैहट्ट देवी मन्दिर, मकरन्दा भण्डारिसौँ केर वाणेश्वरी भगवतीक संग हायाघाटक सिमरदह, दरभंगा शहरक मिर्जापुर स्थित भगवती म्लेच्छमर्दिनी, राज परिसरक माधवेश्वर परिसर स्थित तारा आ श्यामा मन्दिर सहित अन्य देवी मन्दिर, राज किलाक भीतर अवस्थित कंकाली मन्दिर, कुश द्वारा स्थापित कुशेश्वरस्थान महादेव मन्दिर, जिला मुख्यालयसँ सटले पञ्चोभ गामक डीह, कवीश्वर चन्दा झाक जन्मस्थली पिण्डारुछ, बहेड़ीक हावीडीह, भरवाड़ाक गोनू झाक गाम, कुशेश्वरस्थानक पक्षी विहार आदि एहन स्थल अछि जाहि ठामक कण-कणमे मिथिलाक इतिहास बाजि रहल अछि।

एही तरहेँ मधुबनी जिलाक महाकवि विद्यापतिक जन्मस्थली बिस्फी, कालिदासकेँ ज्ञान देनिहार उच्चैठक छिन्नमस्तिका भगवती, शिवनगरक गाण्डीवेश्वरस्थान, कपिलेश्वरस्थान, मङरौनी, बलिराजगढ़, वाचस्पति मिश्रक जन्मस्थली आ कवीश्वरचन्दा झाक सासुर अन्धराठाढ़ी, विदेश्वरस्थान, महरैल गाम लग भेल कन्दर्पीघाटक लड़ाइ केर ऐतिहासिक स्थल, मधेपुरक वाणेश्वर महादेव मन्दिर, गिरिजास्थान फुलहर, भ्रदकालीस्थान कोइलख, राजराजेश्वरी डोकहर, भुवनेश्वरीस्थान डोकहर, सौराठ सभा, उग्रनाथ महादेव भवानीपुर, राजनगरक प्रसिद्ध किला आ भूतनाथ मन्दिर, विशौल जतऽ सीता स्यंवरक समय राजा जनक महर्षि विश्वामित्रक विश्राम करबाक व्यवस्था केने छला, ठाढ़ी गाम लगक मदनेश्वर महादेव, आ कमलादित्य स्थान (परमेश्वरी मन्दिर), जमुथरिक गौरी-शंकर मन्दिर, परसा, झञ्झारपुरक सूर्यधाम, सीरध्वज जनकक पूर्वद्वारपर विराजमान शिलानाथ जे आब शिलानाथ गाममे छथि, एही क्षेत्रक ददरी, जगवनक विभाण्डकाश्रम जाहि ठाम विभाण्डक मुनिक कुटी छलनि,  जयनगर लग श्रीकूपेश्वर, कलना गामक श्रीकल्याणेश्वर  पचहीक श्रीचामुण्डास्थान, महादेव मठ लग शुक्रेश्वरी भगवती, बाबू बरही प्रखण्डक सड़रा-छजनाक बीच पाँचम-छठम शताब्दीक अवतारी पुरुष सलहेसक डीह, सरिसवक अयाची मिश्रक डीह, सिद्धदेश्वरी स्थान, सूर्य मूर्ति सवास सहित दर्जनो आरो एहन स्थल अछि जे पर्यटन स्थलक रूपमे विकसित हेबाक अर्हता रखैत अछि।

तहिना समस्तीपुर जिलाक ओइनी जे मिथिलाक राजधानी रहल अछि आ जाहि ठाम महाकवि विद्यापतिक समय बितलनि आ अपन अधिकांश रचना ओ एही ठाम केलनि, ओइनी पहिल हिन्दी तिलस्म उपन्यास लेखक देवकी नन्दन खत्रीक जन्म भूमि हेबाक संग स्वाधीनता समरमे अपनाके होमि देनिहार खुदीराम बोससँ सेहो जुड़ल रहल अछि। एकरा अतिरिक्त पूसाक शिवसिंह डीह, महाकवि विद्यापतिक निर्वाण भूमि वाजितपुर विद्यापति नगर, मोरवाक खुदनेश्वरस्थान, पाण्डव लोकनिक अज्ञातवासक स्थल रहल पाँड डीह, मंगलगढ़, पटोरीक बाबा केवल स्थानमे अमर सिंह केर पूजन लेल देश-विदेशसँ लोक अबै छथि, महान दार्शनिक उदयनाचार्यक गाम करियन, जागेश्वरस्थान विभूतिपुर, मालीनगर शिवमन्दिर, धोली महादेव मन्दिर खानपुर, धमौनक निरञ्जन स्वामीक मन्दिर आ सन्त दरिया साहेबक आश्रम, मन्नीपुर भगवती स्थान, रोसड़ा टीसनसँ किछु पूबमे अवस्थित विधिस्थान जतऽ चतुरानन ब्रह्मा विराजमान रहला, शहरक थानेश्वरस्थान, मुसरीघरारीक भगवती स्थान सहित अनेको मन्दिर आदि अछि जे इतिहास-गीत गाबि रहल अछि। एकरा सभकेँ एक-दोसरसँ जोड़ि पर्यटन   केन्द्रक रूपमे विकसित करब सम्भव अछि।

राष्टकवि रामधारी सिंह दिनकरक जन्मस्थली रहल बेगूसराय जिलाक नौलागढ़, जयमंगलागढ़, वीरपुर-बरियारपुर, शिव मन्दिर (गढ़पुरा), सिमरियाघाट, मुजफ्फरपुर केर खुदीराम बोस स्मारक, गरीबनाथ मन्दिर, कोठियाक मजार, दाता कम्मल शाहक मजार, शिरुकहीशिरफी काँटी, पूर्णिञा केर भगवती पूरनदेवीक मन्दिर, सिकलीगढ़, किशनगञ्ज केर चर्चित खगरा मेला, लखीसराय  केर श्रृंगी ऋषिक आश्रम, अशोकधाम, जलप्पा स्थान, गोविन्द स्थान रामपुर, पोखरामा, सहरसा जिला केर उग्रतारा स्थान महिषी, लक्ष्मीनाथ गोसाइँक कुटी वनगाम, मण्डन-भारती स्थान, कन्दाहाक सूर्यमन्दिर, मत्स्यगन्धा मन्दिर, उदाहीक दुर्गा मन्दिर, नौहट्टाक शिव मन्दिर, देवनवन शिवमन्दिर, कात्यायनी मन्दिर, मधेपुरा केर कारू खिरहरि स्थान, सिंहेश्वरस्थान, रामनगर काली मन्दिर, दौपदीक वसन्तपुर किला, माता सीताक प्राकट्य स्थली सीतामढ़ी केर जानकी मन्दिर, पुनौराधाम, हलेश्वरस्थान, चामुण्डा स्थान, शिवहर जिलाक द्रौपदीक जन्मस्थली मानल जायवला देवकुलीधाम, वैशाली जिला अन्तर्गत महनारमे गंगातटपर स्थित गणिनाथ गोविन्दक स्थान, बसाढ़, कटिहार केर लक्ष्मीपुरक गुरु तेगबहादुरक ऐतिहासिक गुरुद्वारा, पक्षी अभयारण्य गोगाविल झील, कल्याणी झील, बेलबा, बल्दीबाड़ी, शान्तिवट ओला फसीया, नवाबगञ्ज, दुभी-सूभी, मनिहारी, बल्दीबाड़ी आदि चर्चित स्थल रहल अछि आ सभक अपन ऐतिहासिक आ धार्मिक महत्व अछि।

एही तरहेँ चम्पारण केर बेतिया राज, सोमेश्वर महादेव मन्दिर, सीता कुण्ड, चण्डीस्थान, हुसैनी जलविहार, गान्धी स्मारक, वाल्मीकि आश्रम, व्याघ्र परियोजना, देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ धामक संग त्रिकुट, नन्दन पहाड़, नौलखा मन्दिर, वासुकीनाथ मन्दिर, भागलपुर केर सुल्तानगञ्जमे गंगाक बीच अवस्थित बाबा अजगैबीनाथ, विक्रमशिलाक क्षेत्र, मन्दार पहाड़, कहलगामक ऋषि जाह्नुक स्थान, मनसा देवी मन्दिर, विषहरि स्थान, कुप्पाघाट, मुंगेरमे अवस्थित मीरकासिमक किला, माँ चण्डिाकस्थान कर्णक उन्टल कराह, पीरशाह मुफाक गुम्बज, शाह सूजा केर महल, लाबागढ़ीक ऋषि-कुण्ड आदिक कोण-कोणसँ इतिहास बजैत अछि।

बहुत रास एहनो स्थल अछि जे एके नामसँ अनेक ठाम अवस्थित अछि। जेना देकुलीधाम, ई दरभंगा, समस्तीपुर आ शिवहर तीनू ठाम अछि आ तीनूकेँ ऐतिहासिक मानल जाइत अछि। एहिमे भैरवीस्थान केँ सेहो देखल जा सकैत अछि। ई  मन्दिर मिथिलामे दू ठाम अछि। पहिल मधुबनी जिलान्तर्गत कोठिया ग्रामसँ एक किमीपर अवस्थित अछि आ दोसर औराइ क्षेत्र सीतामढ़ी जिलामे अछि। तहिना महिषासुर मन्दिर अन्दामा, उमामहेश्वर महादेव मठ, लदहोक भगवान विष्णु केर मन्दिर, ज्योतिरीश्वरक जन्म स्थान पाली, विष्णु बरुआर सूर्य मन्दिर आदि अनेक ऐतिहासिक ओ पुरातात्त्विक स्थल मिथिलामे अछि।

पोखरिक पेटमे इतिहास

मिथिला क्षेत्रकेँ नदीक नैहर कहल जाइत अछि। एहि ठाम गंगा, कोसी, कमला, गण्डक, धेमुरा, त्रियुगा, बलान आदि सैकड़ो पैघ-छोट नदीक संग हजारोक संख्यामे विशाल पोखरि सभ सेहो अछि। एहि पोखरि सभमे सेहो इतिहास नुकायल अछि। ई समय-समयपर पुरातात्विक महत्वक मूर्त्ति आदि दैत रहल अछि। एखनो दैत अछि। ओतहि पोखरि खूनल जेबाक सेहो अपन इतिहास अछि। एकरा सभक इतिवृत्ति सेहो नव-नव तथ्यक जनतब दऽ सकैत अछि आ एहिमेसँ कतेको पर्यटक केर आकर्षणक केन्द्र बनि सकैत अछि।

समवेत जनशक्तिक प्रयोजन

ई सभ अछि बानगी भरि। एहन सैकड़ो अन्य महत्वपूर्ण स्थल अछि जे अचर्चित रहि गेल। एहि ठामक प्राय: मन्दिरमे पूज्य देवी-देवता कोनो ने कोनो समयमे कतहु खेत जोतैत काल तँ कतेको बेर माटि खुनैत काल किंवा पोखरिमे भेटला। कतेको ठाम पुरातात्विक महत्वक देवी-देवताक प्रस्तर-प्रतिमा कोनो मन्दिर परिसरक गाछ तर खुजल अकासक नीचा पड़ल छथि। मिथिला क्षेत्रमे जते डीह अछि सभक कोखिमे कोनो ने कोनो कालखण्डक इतिहास दबल पड़ल अछि। एकर सभक गहन अध्ययन, अनुसन्धान-अन्वेषणसँ इतिहासमे नव पन्ना के कहय नव अध्याय धरि जुटि सकैत अछि, मुदा एकरा उजागर के करत? ई यक्ष प्रश्न अछि। जखन धरतीपर विराजमान ऐतिहासिक स्थल सभकेँ स्वतंत्रताक 66 साल बादो पर्यटन केन्द्रक रूपमे विकसिति हेबा लेल मुँहतक्की अछि तखन धरतीक नीचाँ कुहरि रहल इतिहासक पीड़ाकेँ के कान-बात देत? एहि लेल चाही मिथिलाक समवेत जनशक्ति जे अपन जनप्रतिनिधिक माध्यमे व्यवस्थाकेँ बाध्य कऽ सकय जे पर्यटन केन्द्रक रूपमे जाहि कोनो स्थलमे सम्भावना अछि तकरा ओहि रूपमे विकसित कयल जाय। विश्वक पर्यटन-मानचित्रपर एहि सभ स्थलक आबि गेने जखन पर्यटक पहुँचता तँ ओ कतऽ रहता, की खेता, कोन ठामक वाहनपर यात्रा करता, निश्चित रूपसँ मिथिलाक आ ई क्षेत्रक पैघ आर्थिक आधार बनि सकत, मुदा ई मात्र सोचबा भरिसँ नञि होयत। एहि लेल दृढ़ संकल्पक प्रयोजन अछि। अन्यथा एहिना पर्यटन दिवस सभ साल अबैत रहत आ जाइत रहत। हमरा लोकनि बस पर्यटकीय दृष्टिसँ क्षेत्रक विकासक सपना टा गबैत रहि जायब। एकर गुण-गरिमाक कीर्त्तन टा करैत रहि जायब।

हम अपनो डेग बढ़ाबी व्यवस्थाकेँ अपना क्षेत्रक ऐतिहासिक, पुरातात्त्विक ओ धार्मिक स्थलकेँ पर्यटन केन्द्रक रूपमे विकसित करबा लेल तँ अवश्ये कही, मुदा एहि लेल ओकरेपर ओठङने काज चलऽ वला नञि। एहि लेल अपनो डेग बढ़ेबाक प्रयोजन अछि। अपना क्षेत्रक महत्वपूर्ण स्थलक दर्शन लेल अपना ओहि ठाम एनिहार सर-कुटुम्बकेँ प्रेरित कऽ हम छोट सन सकारात्मक   प्रयास कऽ सकै छी। मन पड़ैत अछि असोमक गुवाहाटी केर बोकाखातक ओ कॉलेज जाहि ठाम साहित्य अकादेमी दिल्लीक संगोष्ठी आयोजित छल। ओहि ठाम लगभग दू सय छात्र-छात्रा बेराबेरी ई कहैत रहला जे ‘काजीरंगा’ अवश्य घूमि लेब। से ई नञि जे एक गोटे कहलनि तँ ओ सूनि रहल दोसर नञि कहता। एकाँएकी सभ कहलनि। आ अन्तत: शान्त पड़ल उत्कण्ठा तेना जागल जे ‘काजीरंगा’ देखने बिनु नञि रहि सकल रही। हमरा लोकनिकेँ स्वयं सेहो एहि ठामक सभ महत्वपूर्ण स्थलक पर्यटन तँ करी। जाहिसँ एहि सभक जानकारी आबऽ वला पीढ़ीक बीच बाँटि सकी। हमरा लोकनिकेँ सेहो स्वभाव विकसित करऽ पड़त। एकरा संग आजुक इण्टरनेट युगमे पढ़ल-लिखल जानकार लोक समग्र मिथिलाक नहिञो तँ कमसँ कम अपना क्षेत्रक एहन स्थलक विस्तृत विवरण ओ चित्र विश्व भरिक इण्टरनेट उपयोग केनिहार धरि तँ पहुँचाए सकै छथि जे पर्यटनक केन्द्र बनि सकैछ। ई काज मिथिला-मैथिली सेवी-संगठन सेहो कऽ सकैत अछि।

आउ विश्व पर्यटन दिवसपर संकल्प ली जे अपना क्षेत्रक ऐतिहासिक धरोहरिकेँ विश्वक मानचित्रपर स्थापित करबा लेल व्यवस्था धरि सेहो अपन बात पहुँचायब आ अपनो एहि दिशामे सधल आ ठोस सकारात्मक डेग उठायब। तखने एहि दिसवकेँ मिथिला लेल सार्थक मानल जा सकैत अछि।

आउ एक नजरि नेपालक ओहि मिथिलो दिस दी जे पर्यटनक दृष्टिसँ सजग अछि आ हमरा सभसँ बहुत आगाँ अछि।

एहिमे नेपालक जनकपुर स्थित माँ जानकी मन्दिर प्रमुख अछि जतऽ प्रतिवर्ष हजारो पर्यटक पहुँचै छथि। एहि ठाम धनुषा, खिरोइ नदी लग स्थित योगनिद्रास्थान, सखरा गाम स्थित कालिकास्थान श्रीजलेश्वर, श्रीक्षीरेश्वर, कुसुमा गामक याज्ञवल्क्याश्रम, श्री मिथिलेश्वर, हरिहरस्थान, वाल्मीक्याश्रम, कौशिकाश्रम, कामेश्वरनाथ महादेव मन्दिर आदि चर्चित स्थल रहल अछि।

**</body>**